

changed into पि)-1 to cover, to shut, to conceal, एकस्या नयने विधाय Am. S. 16, प्रमात्रविहिता Vikr. iv., Sis. ix 76, Bt. vii. 69; 2 to hinder, to bar, भुजगविहितद्वारं पातालम- धितिरुति R. i. 80. अभि- 1 to speak, to declare, to say, to communicate to, M. i. 42, Bg. xviii. 68, Bt. vii. 78, Am. S. 75, K. S. iii. 63; 2 to mean directly or primarily, e.g. हरिशन्दो विष्णुमेवाभि- धत्ते. अभ्या- 1 to throw under. अभिसम् -1 to aim at, to have in view, e.g. कार्क तमभिसंधाय ससर्ज (अस्म) Ram., अभिसंधाय तु फलम् Bg. xvii. 12; 2 to deceive, जन् विद्वानेकः सकलम- भिसंधाय कपटेः M. M. i.; 3 to win over, to make friend- ship with, ता-सर्वानभिसंध्या- त्सामादिभिरुपक्रमैः M. vii. 159; 4 to fix (as an arrow). अव- to give attention, to be attentive, अवधत्तां देवो देवी च Ve. vi. आ- (usually Atm.) 1 to put, to place, जनपदे न मत्तः पदमादधौ R. ix. 4; 2 to fix upon, to direct towards, मय्येव मन आधत्स्व Bg. xii. 8; 3 to uphold, to support, to bear, e.g. शेषः सदैवाहितभूमिभारः Sak. v.; 4 to create, to produce, to en- gender, ज्ञायाश्चरति बहुधा भयमा- दधानाः Sak. iii.; 5 to take, to assume, आधत्ते कनकमयातपन- लक्ष्मीम् Kir. v. 39; 6 to ap- point, to take, तमेव चाधाय विवाहसाध्ये R. vii. 20; 7 to perform (as a व्रत). आविस्- to manifest (rarely found). उप- 1 to place under, in, or on, अधिजानु बाहुमुपधाय Sis. ix. 54, उपहितं शिशिरापगमधि- या मुकुलजालमशोभत किंशुके R. ix. 31; 2 to apply, to employ, क्रिया हि वस्तुपहिता प्रसादति R. iii. 29; 3 to make over to,

तदुपहितकुट्टवः R. vii. 71; 4 to use as a pillow; 5 to cover. उपा- 1 to put on; 2 to engender, to create. तिर- स् -1 to hide; 2 (Atm.) to disappear, उचितवानिति वचः सलक्ष्मण लक्ष्मण। प्रजमुषिस्तिरोदधे R. xi. 91. नि- 1 to place, to put, to put down, R. iii. 50, Sis. i. 13; 2 to bury, to conceal, M. viii. 38; 3 to deposit, दिनानि निहितं तेजः सवित्रा R. iv. 1; 4 to entrust, राघवो निदधे विजयाशंसां चापे सीतां च लक्ष्मणे R. xii. 44; 5 to restrain, to allay, सलै- निहितं रजः क्षितौ Ghat. 1. परि- 1 to put on (as a garment), त्वषं स मेध्यां परिधाय रौरवीन् R. iii. 31; 2 to surround; 3 to direct towards. पुरस्-1 to put at the head of, मुखावयव- लूनां तां नैर्नता यत्पुरोदधुः R. xii. 43; 2 to make one a family priest.-प्रणि-1 to lay down, to put down, to make pros- trate, तस्मात्प्रणम्य प्रणिधाय कार्यं प्रसादये त्वाम् Bg. xi. 44; 2 to set, to put in, to encase, यदि मणिःपुणि प्रणिधीयते Hit. ii.; 3 to stretch out, to ex- tend, मामाकाशप्रणिहितभुजं निद- यास्त्रेपहेतोः Megh. ii. 43, नीर्वी- प्रति प्रणिहिते तु करे प्रियेण K. Pr. iv.; 4 to direct towards, Bt. vi. 142; 5 to send out spies. प्रवि-1 to do, to make; 2 to divide. प्रतिवि-1 to despatch, to dispose of; 2 to undo, to repair, to retaliate, एवमेतेषु परिज्ञातपरागहेतुषु क्षिप्रमेव कस्मान्न प्रतिविहितमार्गेण Mud. iii. वि- 1 to do, to cause, to effect, to accomplish, तवैव संदेशहरा- द्विशांपतिः शृणोति लोकेषा तथा वि- धीयताम् R. iii. 66, प्रायः ज्ञानं च विदधान्यनुभवं च जंतोः सर्वकथा भगवती भवितव्यतैव M. M. i. विधेयानुर्दनाः परमरमणीयां परिण- तिम् M. M. vi., ये द्वे कां

विधत्तः Sak. i., Bt. xix. 2; 2 to command, to lay down (as a rule), शूद्रस्य तु सर्वेवै नान्या भायौ विधीयते M. ix. 157; 3 to form, to manu- facture, to shape, तं वेधा विदधे नूनं महाभूतसमाधिना R. i. 29, अंगानि चंपकदलैः स विधाय धाता Sr. T. 3; 4 to perform, य- थाक्रमं पुंसवनादिकाः क्रिया धृते- श्च धोरः सदृशिन्यधन सः R. iii. 10; 5 to appoint, e. g. धर्माध्यक्षो विधीयत. व्यव- to intervene, to screen, लक्ष्मी- कृतस्य हरिणस्य हरिप्रभावः प्रश्य स्थितां सहचरीं व्यवधाय देहम् R. ix. 57. अन्त- to believe, to have faith in, अर्धं विदशगो- पमात्रके दाहशक्तिमिव कृष्णवर्गनि R. xi. 42. सम्-1 to com- bine, to join, to unite, e. g. मुखेन मुखं संधाय; 2 to make an alliance, to enter into a treaty, कुरुषु तावदसंशयता तदैव निवेदिता Ve. i.; 3 to direct towards, to fix upon, ततः संदधे दृशमुदमतारकाम् R. xi. 69; 4 to put on the bow (as an arrow), धनुस्यमोर्धं समधन सायकम् R. iii. 53, xii. 97; 5 to produce, to inflict, संधत्ते भृशमरतिं हि सद्दे- योगः Kir. v. 51; 6 to be a match for, शतमेकोऽपि संधने प्राकारस्यो धनुर्धरः Panch. i. समा-1 to put, to place, to put to, to apply, पदं मूर्ध्नि समाधत्ते केसरी मन्दतिनः Panch. i.; 2 to enthrone, to place on the throne, R. xvii. 8; 3 to fix upon, to concen- trate, Bg. xii. 9; 4 to compose, e. g. न शशाक समा- धातुं मनो मदनवेषितम्; 5 to re- dress, उन्त्यन्नामपदं यस्तु समाधने स बुद्धिमान् Hit. iv.; 6 to satisfy, to remove doubts or objections; 7 to think, to think over, Bt. xii. 6. संनि- 1 to place, to put, to keep,